नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

राष्ट्रपतिजी के सचिव संजय कोठारी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों के साथ किया संवाद

हिंदी विश्वविद्यालय में हुआ स्वागत। बापूकुटी, पवनार का किया भ्रमण

वर्धा, 22 दिसंबर 2019: माननीय राष्ट्रपति के सचिव श्री संजय कोठारी का रविवार, 22 दिसंबर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आगमन हुआ। उनके आगमन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने उनका नागार्जुन अतिथि गृह में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। श्री कोठारी जी के साथ उनकी पत्नी एवं बेटी भी थी।

विश्वविद्यालय में आगमन पर कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने उन्हें चरखा, पुष्पगुच्छ, विश्वविद्यालय के प्रकाशन, सूत की माला के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के

प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, कुलसचिव कादर नवाज खान, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अध्यापक और अधिकारी प्रमुखता से उपस्थित थे। विश्वविद्यालय में उन्होंने गांधी हिल जाकर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

विश्वविद्यालय के कस्तूरबा सभागार में उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि माननीय राष्ट्रपति जी के अधीन देशभर के 150 केंद्रीय विश्वविद्यालय और संस्थाएं आती हैं जिसका सामान्य अवलोकन करने हेतु वर्धा विश्वविद्यालय का चयन किया गया। उन्होंने कहा कि

विश्वविद्यालय में क्या कार्य हो रहे हैं और और क्या बेहतर किया जा सकता है, यह इस भेंट का मुख्य उद्देश्य है और हिंदी विश्वविद्यालय से ही इसका प्रारंभ किया जा रहा है। 1978 बैच के हरियाना काडर के आईएएस अधिकारी श्री कोठारी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए रोज़गार प्रदान करने वाले पाठ्यक्रमों के माध्यम से पाठ्यक्रमों का चुनाव करने का सुझाव दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे अपने यहां पूर्व छात्र संगठन को और मजबूत करें और उन्हें जहां से पढें वहां किसी न किसी रूप में लौटाने हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षा और सुविधाओं के संबंध में श्री कोठारी से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट, प्रतिकुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, प्रो. मनोज कुमार, कुलसचिव कादर नवाज खान मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने किया।

इसी क्रम में श्री कोठारी ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और अधिकारियों के साथ गालिब सभागार में बातचीत की। कार्यक्रम का संचालन प्रतिकुलपति प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने किया। इस

अवसर पर अध्यापकों और अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के अकादमिक तथा प्रशासनिक गुणवत्ता को लेकर अपनी बात उनके समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में गांधी दर्शन पर विदेशी अतिथियों तथा बाहर के अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया जाए ताकि गांधी जी के विचार-दर्शन से उन्हें अवगत कराया जा सके। एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि अनुवाद एवं भाषा प्रशिक्षण योजना के तहत विश्वविद्यालय प्रशिक्षण की योजना तैयार कर सकता है जिसे देशभर के अध्यापक, अधिकारी आदि के लिए लागु किया जा सकता है। विश्वविद्यालय को राजभाषा के लिए केंद्रीय प्रशिक्षण संस्था के रूप में मान्यता प्रदान करने की दिशा में उचित कदम उठाने का आश्वासन श्री कोठारी ने दिया। आभार ज्ञापन कुलसचिव कादर नवाज खान ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इससे पहले उन्होंने उन्नत भारत अभियान के तहत नांदोरा, गणेशपुर, सोनेगांव बाई, तलेगांव टालाटुले और तामसवाडा के नागरिक और किसानों के साथ चर्चा की। किसानों ने उन्हें स्वच्छ

भारत अभियान, महिला सक्षमीकरण, ग्राम स्वावलंबन, महिला बचत समूह आदि की जानकारी प्रदान

की। विदित हो कि विश्वविद्यालय उन्नत भारत योजना के अंतर्गत इन गावों में काम कर रहा है। उन्होंने स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय का भी अवलोकन किया।

अपने वर्धा प्रवास के दौरान उन्होंने सेवाग्राम आश्रम और पवनार आश्रम का भ्रमण किया। बापू कुटी में सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान के अध्यक्ष टी.आर.एन.प्रभु तथा पवनार में परंधाम आश्रम के गौतम बजाज ने उन्हें आश्रमों की जानकारी प्रदान की।